भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग
मौसम केन्द्र, भोपाल, मध्य प्रदेश
ईमेल / Email : mausambhopal@gmail.com

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF EARTH SCIENCES
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
Meteorological Centre, Bhopal, Madhya Pradesh
संपर्क / Phone : 755-2551496

150 Years of Service to the Nation
राष्ट्र सेवा के 150 वर्ष

रविवार, 26 अक्टूबर 2025
Sunday, 26 October 2025

जारी करने का समय – 13:00 भा.मा.स.
Time of Issue: 13:00 IST

प्रेस विज्ञप्ति – मध्य प्रदेश में अगले 5 दिनों के दौरान वर्षा की गतिविधियां
Press Release: Rainfall activities in Madhya Pradesh during next 5 days

वर्षा के प्रमुख आंकड़े (मिमी में) – भैंसदेही 71.0, पाटी 42.0, भीमपुर 41.0, चिचोली 38.0, खरगौन 35.8, पानसेमल 33.0, थांदला 30.4, लखनादौन 30.0, अंजड़ 28.2, गैरतगंज 27.6, ग्यारसपुर 27.0, ठिकरी 26.0, शाहपुर 25.2, गुलाना 25.0, बैतूल 24.6, आमला 22.0, बड़नगर 22.0, खालवा 21.0, ईसागढ़ 20.0, भगवानपुरा 20.0, मुलताई 19.5, सागर 18.8, पंधाना 18.0, उज्जैन 17.0, किरनापुर 16.2, बैहर 15.5, निवाली 15.0, नेपानगर 15.0, दही 15.0, मेघनगर 15.0, आठनेर 14.2, चाचरियापाटी 13.0, जैसीनगर 12.4, शाहपुरा-जबलपुर 12.3, घोड़ाडोंगरी 12.0, निसारपुर 11.3, रहटगाँव 11.3, मलाजखंड 11.0, टिमरनी 10.4, जुन्नारदेव 10.2, सेंधवा 10.0, टोंकखुर्द 10.0, मंडला 10.0, शमशाबाद 10.0, ब्यावरा 9.4, श्योपुर 9.4, वरला 9.2, प्रभातपट्टन 9.0, जबलपुर 9.0, नर्मदापुरम 8.7, बालाघाट 8.6, बड़वानी 8.0, खंडवा 8.0, शेगांव 8.0, बरेली 8.0, जावर 8.0, गुलाबगंज 8.0, कोलार 7.6, हरदा 7.6, लांजी 7.2, आगर 7.0, बिरसा 7.0, गोगावां 7.0, डोलरिया 7.0, उदयपुरा 7.0, इछावर 7.0, सीतामऊ 6.4, पाटन 6.3, राजपुर 6.0, तमिया 6.0, झिरन्या 6.0, भीकनगांव 6.0, बड़वाह 6.0, गाडरवारा 6.0, शाजापुर 6.0, टीकमगढ़ 6.0, बाड़ी 5.5, उदयगढ़ 5.2, नालछा 5.2, पेटलावद 5.2, इटारसी 5.2, अलिराजपुर 5.0, गंधवानी 5.0, कुक्षी 5.0, उमरवन 5.0, गोटेगांव 5.0, बेगमगंज 5.0, नसरुल्लागंज 5.0, खिरकिया 4.6, धार 4.5, बुरहानपुर 4.4, खकनार 4.4, परसवाड़ा 4.3, कटंगी 4.2, हर्राई 4.2, परासिया 4.2, बरगी 4.2, सिहोरा 4.2, रहटी 4.2, वारासिवनी 4.1, सरदारपुर 4.0, तराना 4.0, कुरवाई 4.0, नटेरन 4.0, छिंदवाड़ा 3.8, बांदा 3.5, देवरी-रायसेन 3.4, रायसेन 3.4, सुल्तानपुर 3.4, अरेरा हिल्स 3.2, बिछुआ 3.0, पुनासा बांध 3.0, बबई/ माखनपुर 3.0, सिवनी मालवा 3.0, नरसिंहपुर 3.0, गंज बासौदा 3.0, सिरोंज 3.0, मवई 2.8, सिलवानी 2.8, श्यामपुर 2.5, पचमढ़ी 2.2, रहली 2.2, बैरसिया 2.1, रहटगढ़ 2.1, भोपाल 2.0, बटियागढ़ 2.0, जबेरा 2.0, हटपिपल्या 2.0, बागली 2.0, कन्नौद 2.0, कसरावद 2.0, घुघरी 2.0, सोहागपुर-नर्मदापुरम 2.0, राजगढ़ 2.0, देवरी- सागर 2.0, आष्टा 2.0, नागदा 2.0, इंदौर 1.6, खिलचीपुर 1.3, उमरियापान 1.2, बिजाडंडी 1.2, बनखेड़ी 1.2, बरघाट 1.2, मोहखेड़ 1.1, अमरवाड़ा 1.0, दमोह 1.0, पथारिया 1.0, पीथमपुर 1.0, तिरला 1.0, मनावर 1.0, करेली 1.0, तेंदूखेड़ा-नरसिंगपुर 1.0, सीहोर 1.0, पठारी 1.0, सिवनी 0.8, उमरेठ 0.6, कटनी 0.5, गौहरगंज 0.5, चांद 0.1

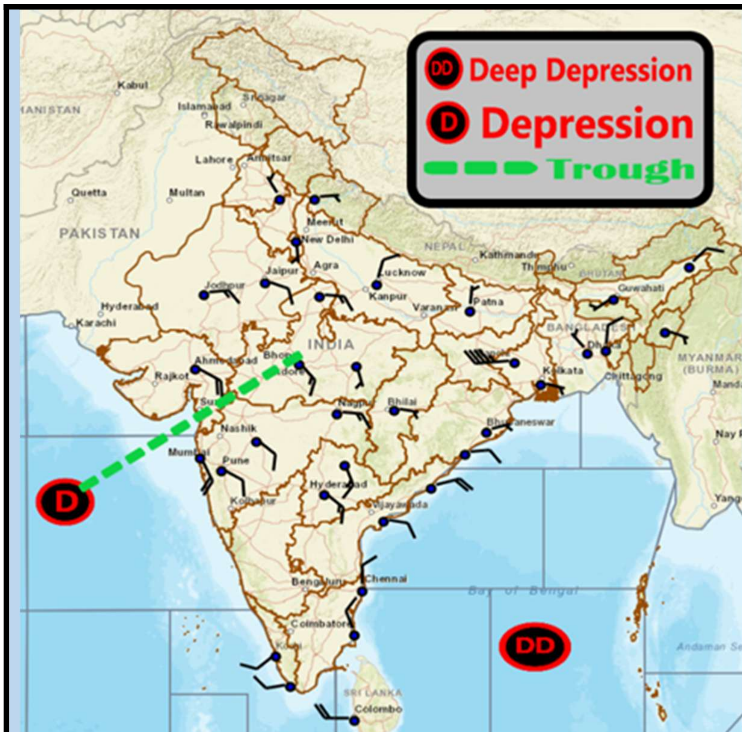

सिनोप्टिक मौसमी परिस्थितियां-

❖ **बंगाल की दक्षिणपूर्व खाड़ी के ऊपर बना गहरा अवदाब(डीप डिप्रेशन),** पिछले 6 घंटों के दौरान पश्चिम-उत्तरपश्चिम दिशा में लगभग 6 किमी प्रति घंटे की गति से आगे बढ़ा और आज, 26 अक्टूबर 2025 की सुबह 08:30 बजे IST पर, यह उसी क्षेत्र में लगभग **11.2° उत्तर अक्षांश और 87.1° पूर्व देशांतर** के पास केंद्रित है । इसके पश्चिम-उत्तरपश्चिम दिशा में आगे बढ़ने और **अगले 24 घंटों में** दक्षिणपश्चिम एवं उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर **एक चक्रवाती तूफान** में बदलने की संभावना है। यह 28 अक्टूबर की शाम या रात के दौरान आंध्र प्रदेश तट के मछलीपट्टनम और कालींगपट्टनम के बीच, काकीनाडा के आसपास, लगभग 90–100 किमी प्रति घंटे की अधिकतम स्थायी हवा की गति और 110 किमी प्रति घंटे तक की झोंकों के साथ एक भीषण चक्रवाती तूफान के रूप में परिवर्तित होने की बहुत अधिक संभावना है।

❖ **अरब सागर के पूर्व-मध्य भाग के ऊपर बना अवदाब(डिप्रेशन)** पिछले 6 घंटों के दौरान लगभग 13 किमी प्रति घंटे की गति से दक्षिण-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ा और 26 अक्टूबर 2025 की सुबह 08:30 बजे IST पर, यह उसी क्षेत्र में लगभग **16.0° उत्तर अक्षांश और 66.5° पूर्व देशांतर** के पास केंद्रित है। इसके प्रारंभ में लगभग दक्षिण-पश्चिम दिशा में तथा बाद में दक्षिण-दक्षिणपश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए अगले 24 घंटों में पूर्व-मध्य अरब सागर के पार जाने की संभावना है।

❖ **एक ट्रफ अरब सागर के पूर्व-मध्य भाग के ऊपर बने अवदाब (डिप्रेशन) से जुड़े ऊपरी वायु चक्रवातीय परिसंचरण से लेकर पश्चिम मध्य प्रदेश तक,** उत्तरपूर्वी अरब सागर और दक्षिण गुजरात क्षेत्र से होकर, लगभग 1.5 से 3.1 किमी ऊँचाई (माध्य समुद्र तल से ऊपर) के बीच बनी हुई है।

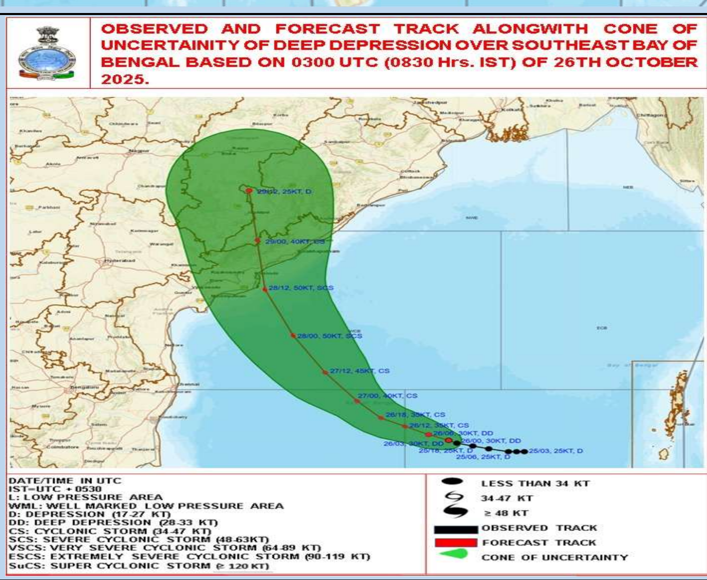

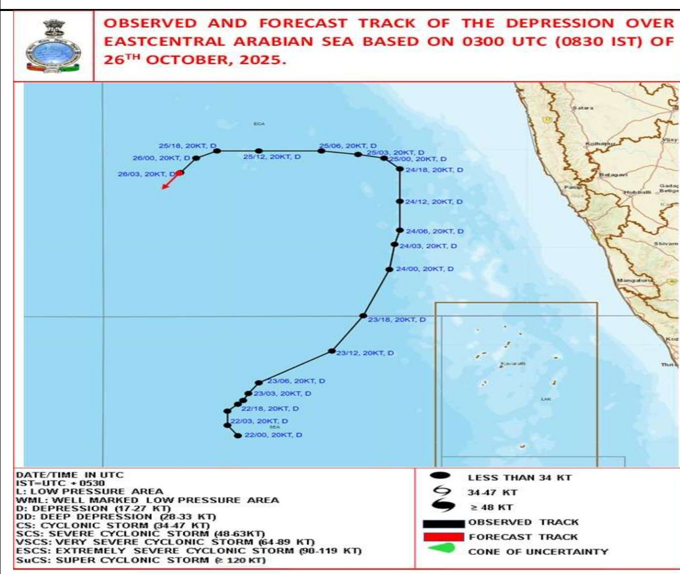

मौसम का पूर्वानुमान (Weather Forecast & Warnings) दिनांक 26.10.2025 की प्रातः 8:30 से 27.10.2025 की प्रातः 8:30 तक वैध

चेतावनी (Warning)	स्थानिक वितरण	जिले
भारी वर्षा, झंझावत और वज्रपात, झोंकेदार हवाएं 30-40 किमी/घंटा	कहीं-कहीं	मंदसौर, नीमच
झंझावत और वज्रपात	कहीं-कहीं	रायसेन, सिहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, अनुपपुर, डिंडोरी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पांढुर्णा

मौसम का पूर्वानुमान (Weather Forecast & Warnings) दिनांक 27.10.2025 की प्रातः 8:30 से 28.10.2025 की प्रातः 8:30 तक वैध

चेतावनी (Warning)	स्थानिक वितरण	जिले
भारी वर्षा, झंझावत और वज्रपात, झोंकेदार हवाएं 30-40 किमी/घंटा	कहीं-कहीं	मंदसौर, नीमच, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां
झंझावत और वज्रपात	कहीं-कहीं	भोपाल, विदिशा, रायसेन, सिहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगौन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, गुना, अशोकनगर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा

मौसम का पूर्वानुमान (Weather Forecast & Warnings) दिनांक 28.10.2025 की प्रातः 8:30 से 29.10.2025 की प्रातः 8:30 तक वैध

चेतावनी (Warning)	स्थानिक वितरण	जिले
भारी वर्षा, झंझावत और वज्रपात	कहीं-कहीं	नीमच, श्योपुरकलां
झंझावत और वज्रपात	कहीं-कहीं	बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, रतलाम, उज्जैन, मंदसौर, गुना, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, अनुपपुर, डिंडोरी, सिवनी, मंडला, बालाघाट

मौसम का पूर्वानुमान (Weather Forecast & Warnings) दिनांक 29.10.2025 की प्रातः 8:30 से 30.10.2025 की प्रातः 8:30 तक वैध

चेतावनी (Warning)	स्थानिक वितरण	जिले
भारी वर्षा, झंझावत और वज्रपात, झोंकेदार हवाएं 40-50 किमी/घंटा	कहीं-कहीं	डिंडोरी, सिवनी, मंडला, बालाघाट
झंझावत और वज्रपात, झोंकेदार हवाएं 30-40 किमी/घंटा	कहीं-कहीं	सिंगरौली, सीधी, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया
झंझावत और वज्रपात	कहीं-कहीं	बैतूल, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा

मौसम का पूर्वानुमान (Weather Forecast & Warnings) दिनांक 30.10.2025 की प्रातः 8:30 से की प्रातः 8:30 तक वैध

चेतावनी (Warning)	स्थानिक वितरण	जिले
भारी वर्षा, झंझावत और वज्रपात, झोंकेदार हवाएं 40-50 किमी/घंटा	कहीं-कहीं	सिंगरौली, सीधी, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी
भारी वर्षा, झोंकेदार हवाएं 40-50 किमी/घंटा	कहीं-कहीं	रीवा, मऊगंज, सतना, कटनी, जबलपुर, सिवनी, मंडला, बालाघाट, मैहर
झंझावत और वज्रपात, झोंकेदार हवाएं 30-40 किमी/घंटा	कहीं-कहीं	नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पन्ना, दमोह, पांढुर्णा

भारी वर्षा से खतरे वाले क्षेत्र

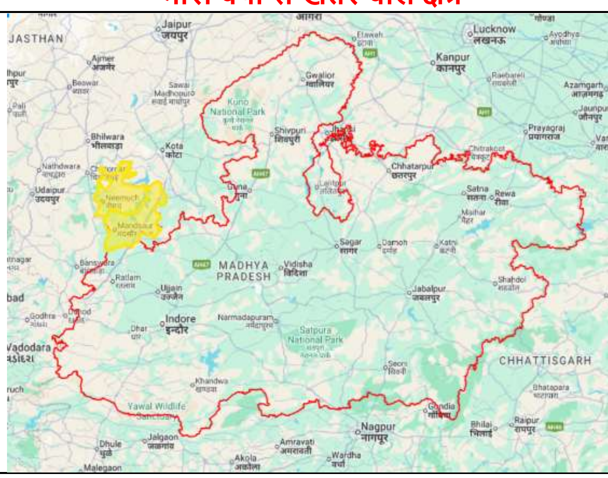

डॉ. दिव्या ई. सुरेन्द्रन / Dr. Divya E. Surendran
वैज्ञानिक – डी (पूर्वानुमान अधिकारी) / Scientist-D (Forecasting Officer)
मौ. के. भोपाल / M. C. Bhopal

Weather Forecast and Warnings from 26 October 2025 to 30 October 2025
26 अक्टूबर 2025 से 30 अक्टूबर 2025 के मध्य मौसम पूर्वानुमान एवं चेतावनियां

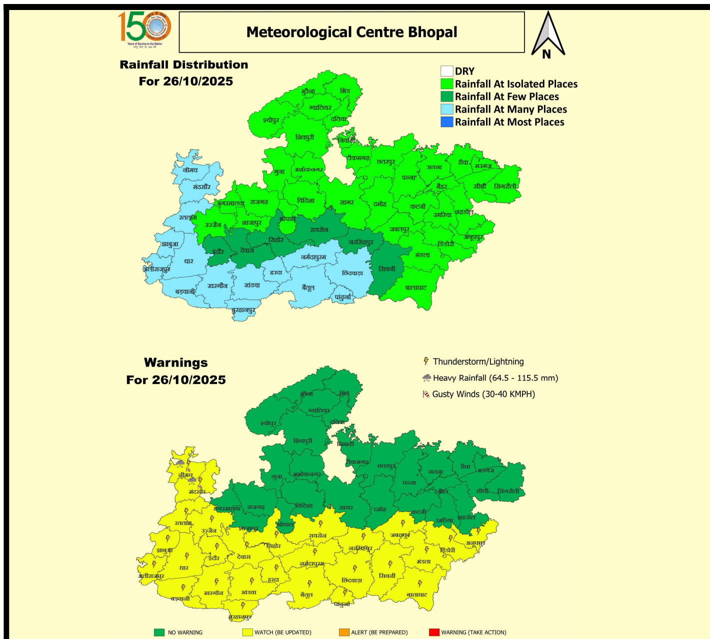

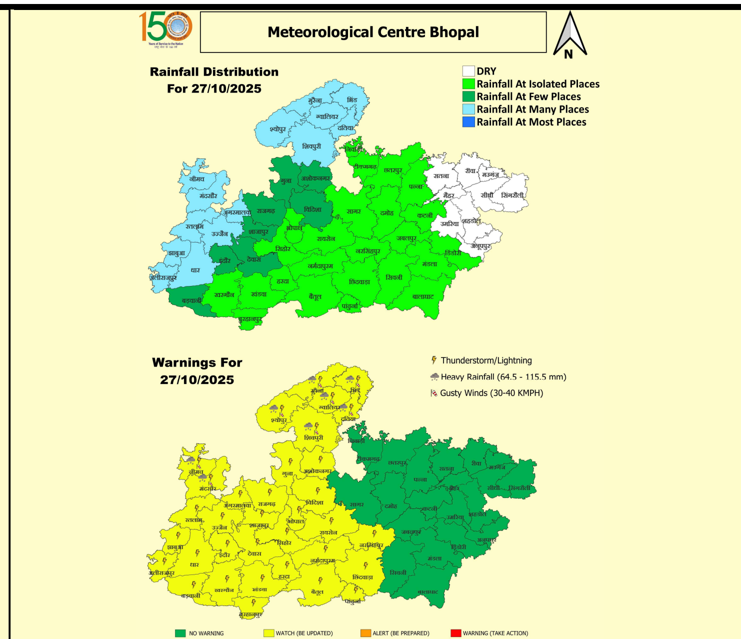

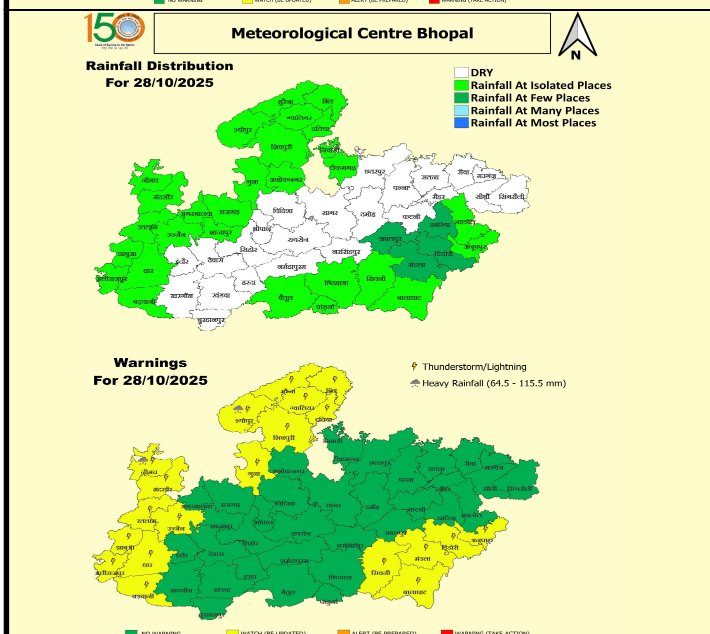

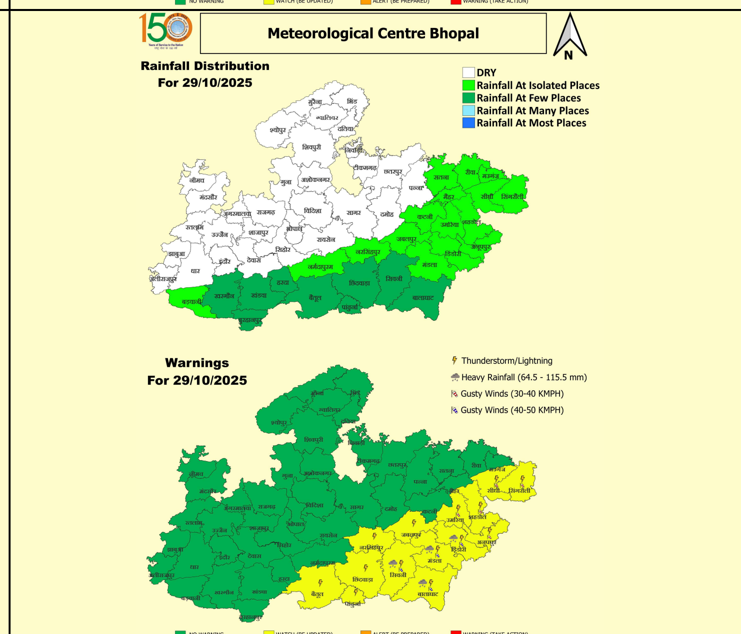

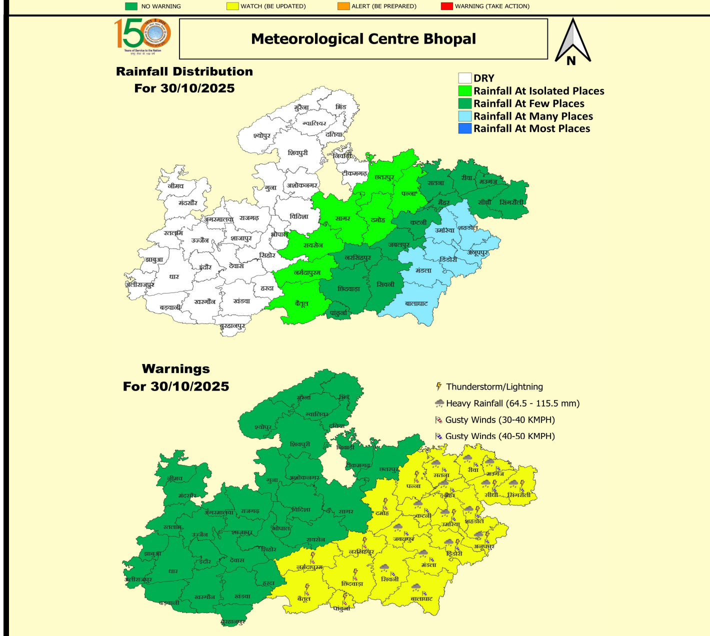

संकेत / Legends
कहीं / कहीं वर्षा -RAINFALL AT ISOLATED PLACES
कुछ स्थानों पर वर्षा /RAINFALL AT SCATTERED PLACES
अनेक स्थानों पर वर्षा /RAINFALL AT MANY PLACES
अधिकांश स्थानों पर वर्षा /RAINFALL AT MOST PLACES
वज्रपात के साथ झंझावात /THUNDERSTORM WITH LIGHTNING
झोंकेदार हवाएं / Gusty Winds
भारी वर्षा (64.5 – 115.5 मी.मी.)/ Heavy Rainfall (64.5 – 115.5mm)
अतिभारी वर्षा (115.6 – 204.4 मी.मी.)/ Very Heavy Rainfall (115.6 – 204.4mm)
अत्यधिक भारी वर्षा (204.5 मी.मी. या अधिक) / Extremely Heavy Rainfall (204.5mm and above)

भारी वर्षा के प्रभाव एवं सुझाव

भारी वर्षा के संभावित दुष्प्रभाव	दुष्प्रभाव से बचने के उपाय
• निचले इलाकों एवं सुरंगों में जलजमाव / अस्थायी बाढ़। • कच्चे, असुरक्षित एवं अस्थायी ढांचों को आंशिक क्षति। • विद्युत व्यवस्था में व्यवधान। • भारी बारिश के दौरान फिसलन भरी कच्ची सड़क और खराब दृश्यता के कारण सड़क यातायात में मामूली व्यवधान। • मौसमी नालों/नदियों के जलस्तर में आकस्मिक वृद्धि। • वृक्षारोपण/बागवानी फसलों को को मामूली क्षति। • संपत्ति को नुकसान के कतिपय मामले।	• अचानक आने वाली बाढ़ की संभावना वाले क्षेत्रों से दूर रहें। • पक्के अथवा सुरक्षित मकानों में आश्रय लें। • अस्थायी और असुरक्षित संरचनाओं को ठीक से सुरक्षित किया जाना चाहिए अथवा खाली कर दिया जाना चाहिए। • बिजली की वैकल्पिक योजना बनाई जा सकती है। • यातायात में अपेक्षित देरी से बचने हेतु पूर्व योजना बनाएं। • मौसमी नदी-नालों से दूर रहें। • खतरे के निशान के आस-पास बह रही नदियों से दूर रहें। • गड्ढों, पोखरों एवं तालाबों जिनमे बाहर से पानी आता हो में नहाने से बचें।

झंझावत /वज्रपात/झोंकेदार हवाओं के दुष्प्रभाव एवं सुझाव

प्रभाव	सुझाव
• दृश्यता में कमी। • विद्युत व्यवस्था में व्यवधान, यातायात प्रवाह में व्यवधान। • इमारतों, कमजोर संरचनाओं, कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को नुकसान हो सकता है। खिड़कियाँ टूट सकती हैं और छतें क्षतिग्रस्त हो सकती हैं। हल्की वस्तुएं उड़ सकती हैं। • तेज झोंकेदार हवाओं/वज्रपात से बागान, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है। • झंझावत /वज्रपात से विमान को गंभीर नुकसान हो सकता है। • पशुधन, वन्य जीवन और जनजीवन को क्षतिः खुले स्थानों पर लोगों, मवेशियों और वन्यजीवों को गंभीर चोट लग सकती है, घायल भी हो सकते हैं या उनकी मृत्यु भी हो सकती है।	• घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें और अगर संभव हो तो यात्रा करने से बचें। • बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें। • वाहन चलते समय सावधानी रखें। • सुरक्षित आश्रय लें, पेड़ों के नीचे आश्रय न लें। कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से न टिकें। • जलस्रोतों से तुरंत बाहर निकलें। • बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें। • घर में रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और यदि संभव हो, तो यात्रा से बचें।

स्वास्थ्य परामर्श :

- जल जनित और कीट जनित रोगों से बचाव के लिए सावधानी बरतें। फ़िल्टर किया हुआ या उबला हुआ पानी पीने और स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष ध्यान दें। मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए रुके हुए पानी को हटाएं, जिससे डेंगू और मलेरिया जैसे रोगों का खतरा कम हो सके।
- मानसून में आमतौर पर सर्दी, खांसी और वायरल बुखार जैसी बीमारियाँ फैलती हैं, इसलिए इनके लक्षणों को नज़रअंदाज़ न करें और यदि लक्षण बने रहें तो तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें।
- हृदय रोग से पीड़ित व्यक्तियों को मानसून के दौरान अधिक नमी के कारण होने वाले जोखिमों को ध्यान में रखना चाहिए। वे नियमित रूप से अपना रक्तचाप जांचें और हृदय-स्वस्थ आहार का पालन करें।

कृषकों के लिए विशेष सलाह –

- कटाई की गई फसल को सुरक्षित स्थान पर रखें या तिरपाल/प्लास्टिक शीट से ठीक से ढक दें।
- खेत में लाइट ट्रैप का उपयोग करके वयस्क कीटों को नष्ट करें।
- बोवाई से पहले खेतों की सफाई करें और अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद (FYM) या कम्पोस्ट डालें, ताकि मिट्टी की सेहत, जलधारण क्षमता और पोषक तत्वों की उपलब्धता में सुधार हो।
- यदि कटाई की गई फसल को ढकने और इकट्ठा करने की उचित व्यवस्था नहीं हो, तो नुकसान से बचने के लिए फसल को खेत में ही खड़ा रहने दें।
- वर्तमान मौसम की स्थिति को देखते हुए रबी फसलों के लिए खेत की तैयारी शुरू कर दें। मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए ठीक से जुताई और पाटा करें।
- पशुओं को सूखे बाड़ों में रखें और संक्रमण को कम करने के लिए बाड़ों के चारों ओर चूना छिड़कें।